

## आयात-नरियात के नवीनतम आँकड़े: एक तथ्यात्मक विश्लेषण

### चर्चा में क्यों?

- अगस्त माह के दौरान नरियात में तेज़ी देखी गई और इस दौरान यह 10.29 फीसदी बढ़कर 23.81 अरब डॉलर पहुँच गया है, जबकि जुलाई में नरियात 3.94 फीसदी ही बढ़ा था।
- हाल ही में वाणजिय मंत्रालय द्वारा जारी किये गए आँकड़ों के अनुसार अगस्त में 23.81 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं का नरियात हुआ, जबकि पिछले साल की समान अवधि में 21.59 अरब डॉलर का नरियात हुआ था।
- अगस्त में नरियात में सुधार के संकेत मिलते हैं क्योंकि मार्च के बाद से इसमें लगातार चार माह तक गिरावट देखी जा रही थी। मार्च में नरियात में 27 फीसदी की तेज़ी आई थी।
- सरकारी आँकड़ों के अनुसार, मुख्य रूप से पेट्रोलियम उत्पादों, इंजीनियरिंग और रसायन नरियात में वृद्धि से कुल नरियात बढ़ा है।

### व्यापार घाटे में बढ़ोतरी

- वदिति हो कि इसी अवधि में व्यापार घाटा बढ़कर 11.64 अरब डॉलर हो गया। मुख्य रूप से सोने का आयात बढ़ने से व्यापार घाटा बढ़ा है। सोने का आयात अगस्त महीने में 69 प्रतिशत बढ़कर 1.88 अरब डॉलर रहा।
- वदिति हो कि अप्रैल-अगस्त के दौरान कुल नरियात 8.57 प्रतिशत बढ़कर 118.57 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 26.63 प्रतिशत बढ़कर 181.71 अरब डॉलर पर पहुँच गया। इससे व्यापार घाटा बढ़कर 63.14 अरब डॉलर पर पहुँच गया।

### आयात, नरियात और व्यापार घाटे के अंतरसंबंध

- किसी भी देश का नरियात और आयात उस देश की अर्थव्यवस्था के विकास से जुड़ा होता है। अगर आयात में बढ़ोतरी हो जाए तो नरियात कम होता है। यानी देश को बाहर से वदेशी सामान खरीदने के लिये ज्यादातर पैसा खर्च करना पड़ता है।
- यही कारण है की प्रत्येक देश चाहता है कि उसका नरियात उसके आयात के बराबर हो या उससे अधिक हो। बाहर के देशों से कम से कम सामान खरीदना पड़े।
- नागरिकों को अगर अधिकतर वस्तुएँ देश में ही स्थिति कम्पनियों के माध्यम से मलि जाएंगी तो वह वदेशी वस्तुओं को खरीदना कम कर देंगे। इससे आयात नहीं करना पड़ेगा।
- गौरतलब है कि नरियात और आयात में अंतर ही व्यापार घाटा है। वर्तमान में भले भारत का नरियात बढ़ा हो लेकिन उसका आयात और भी अधिक बढ़ गया है। अतः व्यापार घाटे में भी वृद्धि हुई है।